

0

परीक्षा के नाम की सील

हायर सेकोण्डरी



केन्द्र क्रमांक की सील

C.No.251024

पर्यवेक्षक/केन्द्राध्यक्ष का प्रमाणीकरण

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी द्वारा निम्नानुसार पूरक

उत्तरपुस्तिका ली गई है :-

क :- संख्या शब्दों में ०२ अंकों में ०२

ख :- परीक्षार्थी की बैठक व्यवस्था कक्षा क्रमांक ०२ में है।

ग :- उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र का कोड नम्बर एवं सेट सही लिखा है।

B
S
E
M
P

हस्ताक्षर (पर्यवेक्षक)

[Signature]

नाम

L.S. Rajput

Asstt Teacher

पता/संस्था

pls madipada

परीक्षार्थी द्वारा ली गई सभी पूरक उत्तर पुस्तिकायें, मुख्य उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न हैं।

हस्ताक्षर केन्द्राध्यक्ष

परीक्षार्थी, परीक्षक से अपेक्षा है कि वे पृष्ठ भाग पर दिये गये निर्देशों का यथेष्ट पालन सुनिश्चित करेंगे।

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्तानुसार संलग्न पूरक उत्तर पुस्तिका चस्था स्थिति में यथावत् रखते हुए ही उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन किए पुस्तिका के अन्दर के अंक एवं कवर पृष्ठ पर दर्शाये अंक एक स

हस्ताक्षर (परीक्षक)

[Signature]

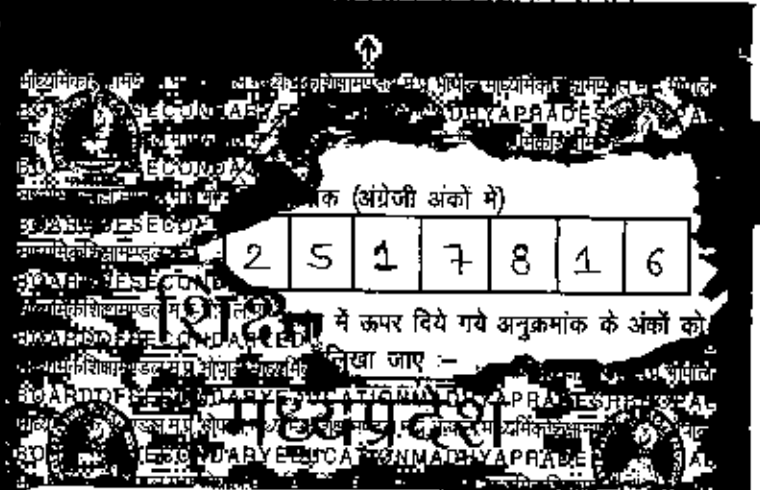
हस्ताक्षर (उपमुख्य)

परीक्षक क्रमांक

45/630

दिनांक

दिनांक



परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. परीक्षार्थी को अपना अनुक्रमांक/विषय/माध्यम/दिनांक एवं प्रश्न-पत्र का कोड (समूह) मुख पृष्ठ पर अंकित करना अनिवार्य है। अन्यत्र कहीं भी नहीं लिखा जाएगा।
2. अनुक्रमांक नीचे दिये गए उदाहरण अनुसार लिखा जाए :-

1	8	2	4	3	9	5	6	8
एक	आठ	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ
3. उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर पृष्ठों में लिखें। बीच में रिक्त स्थान न छोड़ें। भूल से छूटा/रिक्त स्थान तथा शेष खाली पृष्ठों को क्रास किया जाए।
4. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र हल करते समय ही, कन्वर पृष्ठ पर दी गई तालिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख वाले कालम में उत्तरपुस्तिका का वह पृष्ठ क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें जिस पर प्रश्न का उत्तर लिखा गया है। यदि पूरक उत्तरपुस्तिका का उपयोग किया गया हो, तो उस पर 25 से प्रारंभ करते हुए पृष्ठ क्रमांक परीक्षार्थी द्वारा स्वयं डाले जाएँ।

परीक्षक के लिए निर्देश

1. केवल उन्हीं उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें जिन पर होलो क्राफ्ट स्टीकर चस्पा है।
2. उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया जाये।
3. बिना होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली तथा फटे हुए होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली सभी उत्तरपुस्तिकाएँ मूल्यांकन हेतु परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से भेजी जाये।

मूल्यांकन केन्द्र के लिए निर्देश

1. **O.M.R. SHEET** पर प्राप्तांक की प्रविष्टि करने हेतु केवल वही उत्तरपुस्तिकाएँ प्राप्त करें, जिनका मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया गया है। यदि होलो क्राफ्ट स्टीकर फटा हुआ पाया जाता है तो ऐसी उत्तरपुस्तिकाएँ मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी को पृथक से सौपी जाएँ। ऐसे प्रकरणों के प्राप्तांकों की प्रविष्टि **O.M.R. SHEET** में नहीं की जाए। मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी ऐसी उत्तरपुस्तिकाएँ पुनः मूल्यांकन के लिये परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से सौपेंगे।
2. उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ में अंकों एवं शब्दों में अंकित प्राप्तांकों को मिला-न कर **O.M.R. SHEET** में अंकों की सटीक प्रविष्टि करें।
3. **O.M.R. SHEET** पर प्रमाणीकरण कर हस्ताक्षर करें।

3



+

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 3 के अंक

कुल अंक



प्रश्न (1.) का उत्तर 8-

(i) 26 जनवरी

(ii) पश्चिमी बंगाल एवं आंध्र प्रदेश

(iii) शासनाध्यक्ष

(iv) मौखिक सदस्य

(v) सहयोग

प्रश्न (2.) का उत्तर 8-

(अ) (i) 9 दिसम्बर, 1946 को

(ब) (ii) उस उक्त तीनों राज्यों की

(ग) (iii) क्यूबा में

(द) (iv) 30 अक्टूबर, 1945 को

(इ) (v) ये सभी



प्रश्न (ड.) का उत्तर :-

(अ) राजस्थान संघ \rightarrow मेवाड़ और एक राजस्थान की देशी रियासतें

(ब) संविधान निर्माण \rightarrow 2 वर्ष 11 माह 18 दिन

(स) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की स्थापना \rightarrow 27 दिसम्बर

(द) परमाणु अस्त्र अप्रसार संधि \rightarrow 1945 सन् 1968

(इ) आर्थिक आधुनिकीकरण \rightarrow व्यापार और पर प्रतियोगिता का अभाव

S
E
M
P

प्रश्न (प.) का उत्तर \rightarrow

(i) असत्य

(ii) असत्य

(iii) सत्य

(iv) सत्य

(v) असत्य

प्रश्न (5) का उत्तर :-

(i) डॉ. भीमराव अम्बेदकर

(ii) आ आंग केंग

(iii) सन 1971

(iv) 24 अक्टूबर

(v) संवार लकनीकि लकनीकी

प्रश्न (6) का उत्तर :-

भारत विभाजन के कारण ->

भारत का विभाजन भारतीय इतिहास की एक महत्वपूर्ण घटना थी है। परंतु जिस प्रकार और जिन परिस्थितियों में यह विभाजन हुआ, वह भारत के लिए एक श्रासदी थी।

भारत विभाजन के कारण निम्न है :-

(1.) मुस्लिमों की साम्प्रदायिक भावना

(2.) अंग्रेजों द्वारा मुस्लिम साम्प्रदायिकता को बढ़ावा देना

(3.) मुस्लिम लीग के प्रति कांग्रेस की उपेक्षा

6

+



=

पृष्ठ 48

पृष्ठ 6 के अंक

पृष्ठ 48



की नीति

(1) अंतरिम सरकार में मुस्लिम लीग के सदस्यों को शामिल करना।

(2) मुस्लिमों की सामुदायिक भावना

से साथ रहने के बावजूद मुस्लिम हिन्दुओं के प्रति भावने की भावना का विकास नहीं कर सके। मुस्लिमों ने हमेशा अपने हित हिन्दुओं के हितों से पृथक रहे इस भावना को जिन्ना स्वयंसाक्षर आदि नेताओं ने बहुत बढ़ावा में सहयोग दिया जिससे भारत विभाजन हुआ।

(3) अंग्रेजों द्वारा मुस्लिम सामुदायिकता को बढ़ावा

अंग्रेजों ने हमेशा मुस्लिमों को संरक्षण प्रदान किया जिससे भारत विभाजन हुआ।

(4) मुस्लिम लीग के प्रति कांग्रेस की दृष्टिकोण की नीति :-

कांग्रेस ने अनेक बार सिद्धांतों को छोड़कर मुस्लिम लीग से समझौते किए सन् 1916 लखनऊ समझौता एक बड़ी धूब थी। जिससे भारत विभाजन हुआ।

B
S
E
M
P



पृष्ठ के अंकों का योग

7

$$+ \boxed{-} = \boxed{}$$

यों

पृष्ठ 7 के अंक

कुल अंक



(पा) अंतरिम सरकार में मुस्लिम लीग के सदस्यों को शामिल किया जाना →

अं मुस्लिम लीग के सदस्यों को अंतरिम सरकार में शामिल करने से सरकार की कार्यकारिणी विभाजित हो गयी और हिन्दू मुस्लिम दलों को रोकने में असमर्थ हो गयी जिससे भारत का विभाजन हुआ।

B
S
E
M
P

प्रश्न (क) का उत्तर :-

पंचवर्षीय योजनाएँ :-

भारत सरकार द्वारा 15 मार्च सन् 1950 में योजना आयोग की स्थापना हुई जिससे अध्यक्ष पं० जवाहर लाल नेहरू थे। उन्होंने भारत के आर्थिक विकास से हेतु पंचवर्षीय योजनाएँ लागू करने का निश्चय किया अतः सन् 1. अप्रैल 1951 में प्रथम पंचवर्षीय योजना लागू की गयी तब से लेकर अब तक 10 पंचवर्षीय योजनाएँ लागू हो चुकी हैं। वर्तमान समय में 11 अप्रैल 2007 से ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना चियान्वित है।

उद्देश्य :-

पंचवर्षीय योजनाओं के निम्न उद्देश्य

हैं :-



पृष्ठ के अंक का योग



(1) आर्थिक विकास करना जिससे समाज में ऊँच नीच की भावना समाप्त हो सके और लोगों का जीवन स्तर सुधर सके।

(2) निर्यात प्रोत्साहन को बढ़ावा देना। पंचवर्षीय योजना के दौरान कृषि विभाग में बहुत बड़े स्तर पर निर्यात प्रोत्साहन मिलने लगा।

(3) बैंक निमित्त को बढ़ावा देना

(4) सिंचाई सुविधाओं को बढ़ावा देना जिससे कृषि विकास हो सके।

(5) परिवहन सुविधाएँ विस्तार करना

(6) गरीबी निवारण करना आदि।

प्रश्न (8) का उत्तर ->

अथवा

क्षेत्रीय असंतुलन ->

जब किसी क्षेत्र में संतुलन में असंतुलन की प्रक्रिया बढ़ने लगती है तो उसे क्षेत्रीय असंतुलन कहते हैं।

"आय में असंतुलन, ग्रामीण

B
S
E



नगरीय जीवन में अंतर असंतुलन ही क्षेत्रीय असंतुलन है-

इस असंतुलन को दूर करने के लिए संतुलित क्षेत्रीय विकास कार्यक्रमों को अपनाया चाहिए।
संतुलित क्षेत्रीय विकास की आवश्यकताएं-

1. बी.बी. तायल ने संतुलन संतुलित क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने के लिए निम्न उपाय बताये हैं:-

(1) जब किसी क्षेत्र में प्राकृतिक संसाधन अधिक मात्रा में होते हैं तो उसे अन्य क्षेत्रों में विकसित करना चाहिए जहाँ इन्हें जमाव हो तभी संतुलित क्षेत्रीय हो सकता है।

(2) निम्न क्षेत्रों में अल्प - अल्प संसाधन उपलब्ध होते हैं जिसे उत्पादन भी अल्प - अल्प होता है अतः इसे देश की उत्पादन क्षमता में बढ़ोत्तरी होती है।

(3) सामरिक स्वतंत्र विकसित क्षेत्रों में अधिक होता है अतः सभी संसाधनों का सभी क्षेत्रों में वितरण करना चाहिए जिससे सामरिक अंतर से बचा जा सके।

(4) राजनीतिक अथवा पृथक होने से कम विकसित क्षेत्र विद्रोह के लिए उत्सुक हो जाते हैं अतः

10

$$7 + \boxed{-} =$$

पृष्ठ 10 के अंक



अ. जमें संतुलित रखापित करना चाहिए।

प्रश्न (9) का उत्तर →

अथवा

राष्ट्रीय महिला आयोग :-

महिलाओं के विकास हेतु 'राष्ट्रीय महिला अधिनियम 1990' के तहत 'राष्ट्रीय महिला आयोग' का गठन किया गया इसके द्वारा महिलाओं के विकास के साथ साथ सुरक्षा भी प्रदान की गयी।

राष्ट्रीय महिला आयोग में एक अध्यक्ष एक उपाध्यक्ष एवं तीन सदस्य सक्ति होते हैं।

कार्य :-

राष्ट्रीय महिला आयोग के कार्य निम्न हैं :-

(1) संविधान एवं नि अन्य विधि के अधीन महिलाओं से संबंधित समस्त मामलों का धनवेक्षण एवं परिक्षण करना।

(2) महिलाओं पर होने वाले अपराधों का

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

निरीक्षण करना और उसे रोकने का सुझाव देना।

(६.) संविधान एवं महिलाओं के अधिकारों के उल्लंघन से रोकथाम प्रविधिकारियों के सक्षम समक्ष उपस्थित करना।

(७.) महिलाओं के विकास की गति को तीव्र करने का सुझाव देना।

(८.) दृष्टांत में रह रही महिलाओं की देखरेख करना एवं शत पासी में इवरी के उल्लेख पर मना करना।

(९.) महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार लाने हेतु सुझाव देना।

प्रश्न (10) का उत्तर :-

शीत युद्ध

" शीत युद्ध द्वितीय विश्व युद्ध के उपरोक्त अमेरिकी और सोवियत संघ के मध्य विद्यमान इन कुछ संबंधों से कहा जाता है जिसके कारण प्रत्येक पक्ष का विरोध करना और अपने प्रभाव को इस प्रकार बढ़ाना जिससे अधिक से

12

$$+ \square = \square$$

य

पृष्ठ 12 के अंक

कुल अंक



अधिक राज्य उसके उ नियंत्रण में जा जाये।"

शीत-युद्ध >

शीत युद्ध एक ऐसा युद्ध है मध्य युद्ध क्षेत्र में नहीं बल्कि मानव सभ्यता में लड़ा जाता है।

बर्नार्ड बाल्श के अनुसार :-

"शीत-युद्ध एक ऐसा युद्ध है जिसमें प्रत्येक पक्ष ऐसी नीतियाँ अपनाता है जिसका उद्देश्य दूसरे अपने पक्ष को मजबूत करना विपरीत पक्ष का विरोध करना होता है इसमें वास्तविक उद्देश्य का ज्ञान होता है।"

बर्नार्ड बाल्श के अनुसार :-

"हमें आज घोरते में नहीं रहना चाहिए आज हम शीत युद्ध के बीच में खड़े हैं।"

बर्नार्ड बाल्श ने 16 अप्रैल 1947 में शीत युद्ध का नाम दिया।

विशेषताएँ :-

(1.) शीत युद्ध द्वितीय विश्व युद्ध के बाद

B
S
E
M
P



के नकारात्मक परिणामस्वरूप उत्पन्न युद्ध है।
(द.) शीत में बढ़ते की भावना सर्वोपरि होती है।

(उ.) व शीत युद्ध क्षेत्र में नहीं बल्कि मानव मस्तिष्क में बसा जाता है।

(प.) शीत युद्ध स्व रूप से व राजनीतिक युद्ध का रूप लिए हुए है।

प्रश्न (13) का उत्तर :-

शरणार्थी समस्या का स्वरूप :-

भारत विभाजन (1947) देश के लोगों के लिए एक दुःखदायी घटना थी विशेष रूप से अल्पसंख्यकों के लिए जो अपने अपने घरों से भागे थे। ये अल्पसंख्यक मुख्यतः एक स्थान से दूसरे स्थान पर जा रहे थे। सामुदायिक दंगों के कारण उन्हें अपने-अपने घर छोड़ने पड़े। मुख्यतः उनके सामने एक विकल्प था कि वह वारे लो भारत में रहे अथवा भारत में पाकिस्तान में परंतु शरणार्थियों के सामने ऐसा कोई विकल्प नहीं था उन्हें सिर्फ भारत में ही रहना था इसलिए शरणार्थी लोगों ने

14

112

+

05

=

117

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 14 के अंक

कुल अंक



हमेशा भारत के लोगों का साथ दिया तथा वहीं की जमीन पर कार्य करना संभव दिया। सिख्य लोग हमेशा भारत के लोगों पर विश्वास करते थे तथा सहयोग की दृष्टिकोण रखते थे लेकिन मुस्लिम भारत की जमीन पर अभी विश्वास नहीं करते हैं और इसके परि हमेशा संशकित बने रहे।

शरणार्थी समस्या भारत के विभाजन के बाद उत्पन्न होने वाली एक गंभीर समस्या थी जिसे जनेउ समस्या के जन्म दिया। ये शरणार्थी 1 करोड़ भारत से पाकिस्तान गये और उन्हे-ही शरणार्थी पाकिस्तान से भारत आये। इन शरणार्थी शरणार्थियों ने नगरों का संतुलन बिगाड़ दिया। पाक. जनसंख्या में बढ़ोतरी हुई। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता जैसे ही शहर हैं जो शरणार्थी समाहित हैं।

B
S
E
M
P

11

05

पृष्ठ के अंकों का योग

प्रश्न (14) का उत्तर :-

योजना आयोग :-

भारत सरकार द्वारा

15

47

+

5

=

52

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 15 के अंक

कुल अंक



15 मर्च 1950 में योजना आयोग की स्थापना की गई। योजना आयोग नियोजन तंत्र की शीर्ष है। योजना आयोग एक सहायकारी संस्था है।

भारत का प्रधानमंत्री उ योजना आयोग का संस्थापक पदेन अध्यक्ष होता है। इसके अतिरिक्त एक उपाध्यक्ष तथा कुछ सदस्य होते हैं।

कार्य :-

योजना आयोग के कार्य निम्नलिखित

हैं :-

(1) राष्ट्र के भौतिक, पूंजीगत एवं मानवीय संसाधनों का आबखन करना।

(2) इन संसाधनों के उचित उपयोग हेतु विभिन्न योजनाओं का निर्माण करना।

(3) योजना के विभिन्न चरणों का मूल्यांकन करना तथा उसे प्राथमिकता देनाके आद्य निर्धारण।

(4) योजना के क्रम की प्रगति का मूल्यांकन करना तथा उसके परिवर्तन लाने का सुझाव देना।

(5) सरकार को आर्थिक विकास की बाधाओं से अवगत करना।

B
S
E
M
P

5

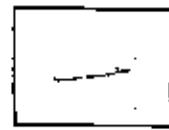
पृष्ठ के अंकों का योग

16

+



=



पृष्ठ 16 के अंक

कुल अंक



(16) केन्द्र सरकार को राज्य सरकार द्वारा किसी विशेष समस्या पर राय मांगने पर अपनी सलाह देना।

प्रश्न (15) का उत्तर :-

अथवा

निरक्षरता भारतीय लोकतंत्र में अपने वही विभिन्न बाँधाओं में से एक है। निरक्षरता लोकतंत्र को निम्न उभार से का प्रभावित करती है :-

- (1) राजनीतिक स्थिरता में बाधक
- (2) मायवादी
- (3) अपूर्ण मानसिक विकास
- (4) सुदृढवादी

17) राजनीतिक स्थिरता में बाधक :-

निरक्षर लोगों को अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों की जानकारी नहीं होती है और न ही उन्हें राज्य से संबंधित समस्याओं की जानकारी होती है। ये निरक्षर लोग अपने मत का उचित उपयोग नहीं करते हैं अतः लोकतंत्र प्रभावित होता है।

B
S
E
M
P



पृष्ठ के अंकों का योग



B
S
E
M
P

(2.) भाष्यवादी →

निरक्षर लोग भाष्यवादी होते हैं। वह समाज में विभिन्न श्रेणियों एवं अधिनिरक्षरों के केंद्रों में उई कसर नहीं करते हैं।

(3.) अपूर्ण मानसिक विकास :-

निरक्षर लोगों का मानसिक विकास पूर्ण विकसित नहीं हो पाता है। जिससे वह लोगों में बाँधक बनते हैं तथा यह निरक्षर लोग यह जगहों की ओर आकर्षित होते हैं कि स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ अभी उनके लिए अपूर्ण हैं।

(4.) खद्विवादी →

निरक्षर लोग खद्विवादी होते हैं। ये निरक्षर लोग स्वयं को पढ़े लिखे नहीं करते हैं साथ ही अपने कच्चे ओ भी शिक्षा नहीं देता उन्हें कृपण से ही काम में लगा दिया जाता है।

इस प्रकार हम देखते ही निरक्षरता भारतीय लोगों के समक्ष एक बड़ी बाधा है। अतः इसे दूर किया जाना चाहिए। शिक्षा संस्थाओं में विकास करने से ही निरक्षरता दूर हो सकती है और हमारा लोगों सुरक्षित रह सकता है।



प्रश्न (क) का उत्तर :-

उपस्था

सहकारिता के सिद्धांत :-

सहकारी भावना से सहयोग की भावना का विकास होता है। 'सहकारिता' का दो शब्दों से मिलकर बना है 'सह' + 'कार'। 'सह' का अर्थ है साथ साथ 'कार' का अर्थ है कार्य करना। इस प्रकार साथ साथ कार्य करना ही सहकारिता है।

(ग) आर्थिक विकास :-

यह सहकारिता का मुख्य सिद्धांत है। लोगों के जीवन स्तर में कुछ सुधार करना, जिससे लोगों में ही योग्यता एवं कुशलता में वृद्धि हो सके। इससे ऊँच नीचे की सम भावना समाप्त हो जाती है।

(घ) सामाजिक विकास :-

सामाजिक विकास का तात्पर्य समाज में ऊँच नीचे भावना को दूर करने लोगों के जीवन स्तर सुधार लाना। यह साम्यन समाजवादी समाज की अवधारणा का विकास करता है।



Q.1) सेवा एवं सहयोग की भावना उ

सहकारिता
एक ही जाह सेवा भावना को महत्व देता है।
सेवा भावना से ही सहयोग की भावना का
विकास होता है। यह सहकारिता का मुख्य
सिद्धांत है।

प्रश्न (7.) का उत्तर उ

पंच पंचशील के सिद्धांत उ

पंचशील बौद्ध धर्म
का एक पारिभाषिक शब्द है जिसका अर्थ है
आवरण के पाँच सिद्धांत। बौद्ध धर्म ने इन
उपयोग में व्यक्ति के पाँच आवरणों के रूप में
दिया है।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पंचशील
के सिद्धांतों का प्रतिपादन 29 अप्रैल 1955 में
बिबत के संदर्भ में भारत और चीन के मध्य
हुआ।

पंचशील के पाँच सिद्धांत निम्न हैं :-

- (1) प्रत्येक राष्ट्र एक दूसरे की राजनीतिक
एकता और क्षेत्रीय अखण्डता का सम्मान
करेगा।



(द.) कोई भी राष्ट्र किसी अन्य राष्ट्र के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेगा।

(इ.) कोई भी राष्ट्र किसी अन्य राष्ट्र पर आक्रमण नहीं करेगा ;

(फ.) प्रत्येक राष्ट्र ~~के~~ पारस्परिक सहयोग के द्वारा अपने व्यवहार का निर्धारण करेगा।

(ड.) प्रत्येक राष्ट्र शीतिपूर्ण सह अस्तित्व के आधार पर अपने आवरण का निर्धारण करेगा।

प्रश्न : (क.) का उत्तर :-

भारत पाकिस्तान संबंध :-

एशिया महाद्वीप में भारत - पाकिस्तान ऐसे दो राष्ट्र हैं जिन्हें मध्य एशिया भी संबंध सुनियोजित नहीं रहे। पाकिस्तान ने हमेशा भारत के प्रति आक्रमणकारी रविया रखा। जब भारत (1947) स्वतंत्र हुआ तो पाकिस्तान ने भी एक अलग राज्य के रूप में भाग लिया।

भारत पाकिस्तान संबंधों में तनाव के कारण में मुख्य रूप से उश्मीर मुद्दा रहा।

S
E
M
P



B
S
E
M
P

ब्रिटिश भारत ने जब स्व भारत के स्वतंत्र होने का आदेश दिया तो यह भी कहा कि यदि देशी रियासतें स्वतंत्र रहना चाहें तो वे उन्हें स्वतंत्र रहेगी। कश्मीर एक देशी रियासत थी। कश्मीर के राजा हरि सिंह जोश ने स्वतंत्र रहने का निश्चय किया तो पाकिस्तान ने उसे अपने क्षेत्र में जोड़ने का मन बना लिया। 22 अक्टूबर 1947 में पाकिस्तान ने भारत कश्मीर पर आक्रमण कर दिया। कबाली पाकिस्तान समर्थित थे।

इस प्रकार कश्मीर के राजा हरि सिंह जोश ने भारत से सहायता की गुहार दी। भारत ने 25 अक्टूबर को सेना भेजी कश्मीर में दी। 26 अक्टूबर 1947 को कश्मीर का विषय भारत में हो गया। तभी से भारत पाकिस्तान संबंधों में गरमाएट रही है।

सन् 1965 का युद्ध

1965 में भारत पर आक्रमण कर दिया। पाकिस्तान ने सन् 1965 में भारत पर आक्रमण कर दिया। पाकिस्तान ने सन् 1965 में भारत पर आक्रमण कर दिया।





वांछादेश संकट :-

सन् 1971 में वांछादेश का जन्म हो गया था वही दूसरी जीर पाकिस्तान में सन् 1971 में आइमण कर दिया। जिससे दोनों देशों के बीच संबंधों में गिरावट आ गयी।

भारत पाकिस्तान संबंध अभी भी अच्छे नहीं रहे। भारत हमेशा अपने कौमारी राष्ट्र पाकिस्तान से संबंध सधुर बना रहा था परंतु पाकिस्तान के अशुभ संबंधों के कारण दोनों देशों के बीच के संबंध बिगड़ी रहेंगे।

प्रश्न (19) का उत्तर :-

संयुक्त राष्ट्र संघ के दस प्रमुख अंग हैं

- (1) महासभा
- (2) सुरक्षा परिषद
- (3) आर्थिक एवं सामाजिक परिषद
- (4) न्याय परिषद
- (5) अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय
- (6) सचिवालय



B
S
E
M
P

(1.) महासभा →

यह संयुक्त राष्ट्र संघ का एक मुख्य संस्था है। इसे एक अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का निर्वाचन महासभा अपने सदस्यों में से करती है। महासभा सुरक्षा परिषद के 10 अस्थायी सदस्यों का निर्वाचन करती है। व्यास परिषद के सदस्यों का निर्वाचन करती है।

(2.) सुरक्षा परिषद →

सुरक्षा परिषद संयुक्त राष्ट्र संघ का प्रधान अंग है। इसे पाँच स्थायी एवं 10 अस्थायी सदस्यों का होते हैं। सुरक्षा परिषद अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सहयोग के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

(3.) व्यास परिषद →

व्यास परिषद भी संयुक्त राष्ट्र संघ का एक प्रमुख अंग है। इसे सदस्यों के बीच (निशेधास्त्रिभारण) का अधिकार नहीं होता है। कुछ शक्तियाँ सुरक्षा परिषद के अंगी होती हैं।

(4.) आर्थिक एवं सामाजिक परिषद →

राजनीति



पृष्ठ के अंकों का योग



विकास की अपेक्षा यह आर्थिक एवं सामाजिक विकास को ज़्यादा ज़रूरी मानता है। इसके अलावा यह भी मानता है कि विकास ही हमारे अर्थव्यवस्था के लिए है।

(5) अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय :-

विवादों अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय संयुक्त राष्ट्र संघ की एक मुख्य इकाई है। विवादों को शांतिपूर्ण तरीकों से निपटारा करना मुख्य कार्य होता है। इस संस्था न्यायालय 'हेग' में है।

(6) सर्वोच्च न्यायालय :-

सर्वोच्च न्यायालय संयुक्त राष्ट्र संघ का प्रधान अंग है। संयुक्त राष्ट्र संघ का सर्वोच्च न्यायालय 'न्यूयॉर्क' में है। यह सबसे बड़ी संस्था है।

प्रश्न (26) का उत्तर :-

संविधान

जिन नियमों एवं अर्थप्रणालियों द्वारा किसी देश का शासन चलता है उन नियमों एवं अर्थप्रणालियों को संविधान कहते हैं।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल,

केन्द्राध्यक्ष

1. परीक्षक की सील तथा मंडलाध्यक्ष
विशेष हस्ताक्षर

2009



परीक्षक के लिये

परीक्षा की तैयारी के लिये

2. पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर व दिनांक

3. केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर की सील

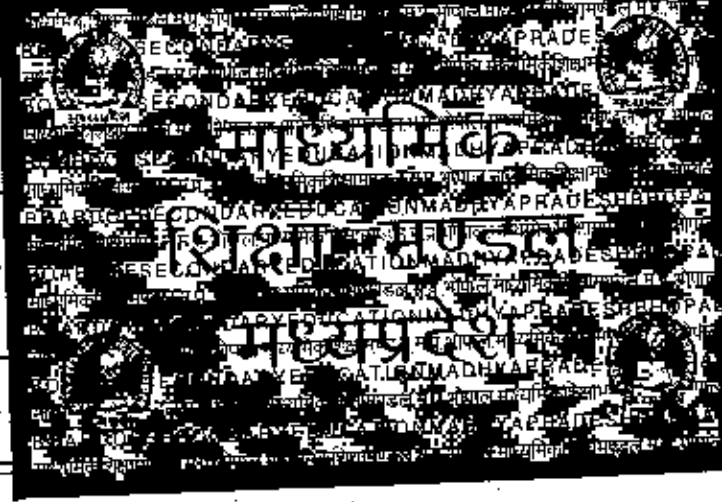
4. केन्द्र क्रमांक

6. परीक्षा का नाम **विद्यार्थी संकेतपत्र**

7. विषय **राजनीति शास्त्र** B. माध्यम **द्वितीय**

8. दिनांक **23.03.09**

पृष्ठ



भारतीय संविधान की विशेषताएँ :-

B
S
E
M
P

(1) लिखित संविधान

(2) व्यापक संविधान

(3) जनसम्प्रभुता पर आधारित संविधान

(4) सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न लोकतान्त्रिक, समाजवादी गणराज्य

(5) एकत्मक हस्तगतों वाली संघीय व्यवस्था

(6) कठोरता एवं कर्तव्यपन का अनोखा मिश्रण

(7) मौखिक अधिकार एवं मौखिक प्रवृत्ति

(8) न्यायालय एवं न्यायिक पुनरीक्षण

(1) लिखित संविधान :-

लिखित है जिसका निर्माण संविधान सभा द्वारा भारत का संविधान के अंतर्गत किया गया।

(2) व्यापक संविधान :-

भारत का संविधान



पृष्ठ के अंत में का योग



सत्रों लम्बा एवं व्यापक सेविधान है जिसमें 393 अनुच्छेद हैं और 8 अनुसूचियाँ

(3.) जनसम्पत्तियों पर आधारित न

जनसम्पत्तियों पर आधारित हैं। जन्तु को मताधिकार प्राप्त है। भारत का सेविधान

(4.) संसदीय व्यवस्था न

संसदीय है। जिसमें केन्द्र 'नाममा' और वार्षिक कार्यपालिका में डेवर है। भारत का सेविधान

(5.) कोरता एवं अनौपचारिक अन्वेषण मिश्रण न

का सेविधान एक विश्वविद्यालय सेविधान है। जहाँ कुछ राज्यों में साधारण प्रक्रिया द्वारा अन्वेषण हो जाता है वहीं कहीं राज्यों में विशेष प्रक्रिया की आवश्यकता होती है। भारत

(6.) मौखिक अधिकार एवं मौखिक अधिकार न

सेविधान के अनुच्छेद 12 से 32 तक भारतीय मौखिक अधिकारों का एक उल्लेख किया।

B
S
E
M
P



पर वे संसोधन द्वारा मौखिक कृतियों का
उल्लेख किया है ये मौखिक कृतियाँ उल्लेख
हैं।

(क) स्वयं व्यापारिक उ
भारतीय संविधान
में स्वयं व्यापारिक है व्यापारिक
व्याप्य देने में किसी प्रकार का भेद नहीं
करती है।

B
S
E
M
P

प्रश्न (ख) का उत्तर है

सर्कि उ

सर्कि या दक्षिण का पूरा नाम
'दक्षिण एशियन क्षेत्रीय सहयोग संगठन' है।
यह महत्वपूर्ण संस्था है।
इसकी आबादी उम है तथा सकल राष्ट्रीय
उत्पादन से प्रति सकल घरेलू उत्पादन उम है।
9.1. विश्व व्यापार में इसका भाग होता है।
इसकी स्थापना सन् 1985
में हुई। इसकी सदस्य संख्या 7 होती है।
इसके 14 सम्मेलन हो चुके हैं।



शक्ति के प्रमुख सिद्धांत →

सिद्धांत निम्न है।

शक्ति के प्रमुख

(1) लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाना तथा
लोगों को उनके कल्याण संबंधी कार्यक्रमों में
प्रोत्साहन देना।

(2) आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्रों
में सहयोग को आ बढ़ावा देना।

(3) पारस्परिक सहयोग द्वारा आम सहायता
के सिद्धांत को बल देना।

(4) लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाना।

(5) लोगों को प्रोत्साहित करना।

(6) अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के कार्यक्रमों का संचालन
करना।

(7) कृषि एवं उद्योग के विकास को बढ़ावा देना।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

केन्द्राध्यक्ष

शासक मध्य शिक्षा मंडल

1. केन्द्र की सील

2009



परीक्षा के लिये

स्वीकार तौर के निशान से मिला

2. पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर व दिनांक

[Handwritten Signature]

3. केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर की सील

[Handwritten Mark]

4. केन्द्र क्रमांक

6. परीक्षा का नाम

हायड्रोजन

7. विषय

राजनीतिशास्त्र 8. माध्यम हिंदी

8. दिनांक

23.09.09

पृष्ठ

25



B
S
E
M
F

प्रश्न पाठ का उत्तर 3

कश्मीर की सीमा पाकिस्तान, चमकि अफगानिस्तान
बीच खे-खरन से लगी हुई है।

कश्मीर एक अत्यंत
सुखान्ना भाग है। यहाँ की खूबसूरत चोटियाँ
बादियाँ आदि सबको मन मोह लेती हैं।

यहाँ प्रत्येक देश की यह
इच्छा है कि वह इस पर अपना रियेक्लेम
स्थापित कर ले।

भारत पाकिस्तान के संबंधों
में गिरावट का अनेक कारण कश्मीर
हूय है।

पृष्ठ के अंत में का पंजा

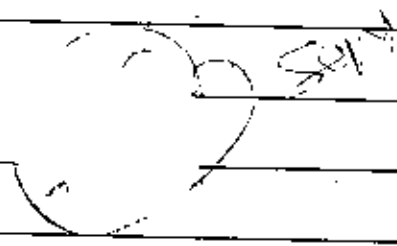


प्रश्न (12) का उत्तर 3

वैश्वीकरण 3

शाब्दिक रूप से वैश्वीकरण अब विभिन्न देश आर्थिक एवं सामाजिक रूप से एक दूसरे से जुड़ने लगे हैं तो इसे वैश्वीकरण कहते हैं

वैश्वीकरण का तात्पर्य विश्व की अर्थव्यवस्था में एकीकरण ही प्रक्रिया से है। अब अर्थात् अब विभिन्न देशों के बीच के सामाजिक व्यापारिक संबंधों में बसी होने लगी है तो इस प्रत्येक देश एक दूसरे की गरिबादियों को उपलब्धि लगी है तो इसी प्रक्रिया को वैश्वीकरण कहते हैं। इसका दूसरा नाम समन्वयितकरण है।



B
S
E
M
P

3

+

=

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 3 के अंक

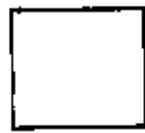
कुल अंक



B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

4



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 4 के अंक

कुल अंक

B
S
E
M
P



पृष्ठ के अंकों का योग